International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

एड्स के संदर्भ में आर्थिक स्थिति का प्रभाव

डॉ. सना शकील
पूर्व शोधकर्ता (मनोविज्ञान)
बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

एड्स अनुसंधान हेतु धन का एक प्रमुख श्रोत दवा बनाने वाली कंपनियों द्वारा दिया जाने वाला अनुदान है जो दावों की निष्पक्ष जाँच को असंभव बना देता है। ये कम्पनियाँ शोधकर्ताओं को अपने उत्पादों के अनुकूल रिपोर्ट देने के लिए धन मुहैया करता है। ऐसे मामलों में शोधकर्त्ताओं एवं शोध करने वाली दवा कंपनियों के निहित स्वार्थ आपस में नहीं टकराते हैं क्योंकि शोधकर्त्ता इन दवा कंपनियों के मुनाफे के हिस्सेदार होते हैं।

यही स्थिति दूसरी बीमारियों से संबंधित दवा बनाने वाली कंपनियों की भी रही है। हृदय रोग की दवा बनाने वाली कंपनियाँ अपने शोधकर्ताओं से अनुकूल रिपोर्ट लेती रहती हैं और इस तरह अपने बाजार का पक्का बंदोबस्त कर लेती है। आदिवासी भारतीयों का एक दल भारत भ्रमण पर आया और उसने घोषणा की कि भारत में सत्तर लाख या उससे अधिक लोग एच.आई.वी. संक्रमित हैं। उसमें कुछ ही दिनों बाद संसदीय स्थाई समिति ने राज्यसभा में एक प्रतिवेदन रखी जिसमें संक्रमित लोगों की संख्या सत्तर की जगह 81 लाख 30000 बताई। उन्होंने ऐसा जो भी सोच कर किया हो, लेकिन इस रिपोर्ट ने भारत को ऐड्स मानचित्र के केंद्र स्थापित कर दिया। इस आंकड़े से भारत में भी हंगामा शुरू हो गया और आंकड़ों की सही स्थिति का मूल्यांकन प्रारंभ हो गया। समिति ने नैको के अधिकारियों से प्राप्त सूचना के आधार पर यह आंकड़ा प्रस्तुत किया। इसके निदेशक जे. वी. आर. प्रसाद से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह संख्या टाइपोग्राफिकल गलती या गलत अर्थ लिए जाने का परिणाम हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने भारत को खतरनाक ढंग से एड्स संक्रमित देश की संज्ञा दे डाली। भारतवर्ष में 1992 से परियोजना का पहला चरण आरंभ हुआ जिसे 1997 तक चलना था। लेकिन इसकी अवधि दो वर्ष बढ़ा दी गई। वर्तमान में भी अभी तक ऐड्स से संबंधित जाँच उपचार की व्यवस्था अस्पतालों में चल रही है। कुछ एन.जी.ओ. के द्वारा यह कार्य अभी भी चल रहा है। अस्पतालों में काउन्सलर अभी भी कार्य कर रहे हैं। एड्स से संबंधित रिपोर्ट वैज्ञानिक एवं वास्तविक से आधार से अलग है। यह मानवाधिकार का उल्लंघन भी है। यह राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन की खुद की स्पष्ट स्थापना है कि एड्स से संबंधित किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य जाँच को जिस से किसी के अधिकारों का उल्लंघन होता है, सार्वजनिक नहीं किया जाएगा।

एड्स एक रोग है। इसका प्रभाव आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। इस स्थल पर, आर्थिक स्थिति का किस रूप में प्रभाव पड़ता है और किस वर्ग के लोग इससे अधिक प्रभावित होते हैं, इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर अध्ययन किया गया है।

प्राक्कल्पनाः– एड्स एक बीमारी के साथ ही सामाजिक समस्या भी है, जिसके प्रति सभी आर्थिक वर्गों के पुरुष एवं महिलाओं का एक समान दृष्टिकोण होना संभव नहीं। अतः, इस पृष्ठभूमि में यह प्राक्कल्पना स्थापित किया जाता है कि उच्च आय वर्ग में पुरुष एवं महिलाओं में मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के पुरूष एवं मीलाओं की अपेक्षा अधिक अनुकूल मनोवृति पाई जाएगी।

विधिः– सर्वेक्षण विधि के आधार पर सम्पूर्णण अध्ययण किया गया। व्यवहार परक विज्ञानों में सर्वेक्षण शोध सामाजिक–शैक्षणिक अन्वेषण की एक शाखा है जो लघु या वृहत जनसंख्या या उससे

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

चयन किए गए किसी प्रतिदर्श पर समाज वैज्ञानिक तथा मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों के पारस्परिक घटनाक्रम, वितरण तथा अंतर संबंधों का वैज्ञानिक अनुसंधान करता है (फ्रेड, एम. कर्लिन्गर)

आर्थिक स्थिति से संबंधित मापन हेतु सूचना पत्र का उपयोग किया गया, जिसमें प्रयोज्यों से प्रश्न पूछा गया।

आपका स्वयं, पिता, पति की मासिक आय क्या है?

क. 20000 रूपये प्रति माह

ख. 20000 से 40000 रूपये प्रति माह

ग. 40000 रूपये प्रति माह से अधिक

इसमें से जो आप के संदर्भ में लागू हो, उसके आगे टिक का चिह्न लगाकर उत्तर दें।

प्रतिदर्शः 300 पुरुष एवं महिलाओं को प्रतिदर्श के रूप में सम्मिलित किया गया। सभी प्रतिदर्श मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो से लिए गए।

परिणामः आय वर्ग तथा एड्स मनोवृति

विभिन्न आय वर्गों को निर्धारित करने के लिए 300 मुजफ्फरपुर के शहरी एवं ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों को सम्मिलित किया गया। व्यक्तिगत सूचना पत्र में दी गई प्रश्नावली के आधार पर प्रतिदर्श तीन भागों में विभक्त हो गया– उच्च आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग एवं निम्न आय वर्ग, जिसकी विभाजक रेखा क्रमशः उनके द्वारा आय के रूप में प्राप्त राशि होगी। उच्च आय वर्ग में 40000 से ऊपर, मध्यम आय वर्ग में 20000 से 40000 एवं निम्न आय वर्ग में 20000 तक प्रति माह रखा गया है।

इन तीन आय वर्गों के पुरुष एवं महिलाओं के संबंध में ऊपर प्राक्कल्पना किया गया है। उच्च आय वर्ग के महिलाओं एवं पुरुषों में मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं की अपेक्षा एड्स के प्रति अधिक अनुकूल मनोवृति पाई जाएगी।

प्रतिदर्श में वर्णित 300 पुरुष एवं महिलाओं के तीनों ही आय वर्गों को क्रमशः उच्च आय समूह, मध्यम आय समूह एवं निम्न आय समूह माना गया। तीनों ही समूहों में प्रयोज्यों की संख्या 105, 112 एवं 83 निर्धारित हुई। इन तीनों ही समूहों में अलग–अलग ऐड्स मनोवृति प्राप्तांको का वितरण तथा उनके मध्यमान, प्रमाणिक विचलन एवं टी–अनुपात का तुलनात्मक अध्ययन नीचे सारणी संख्या –1 में वर्णित है।

सारणी–1

उच्च, मध्यम एवं निम्न आय वर्गों के एड्स मनोवृति प्राप्तांकों का तुलनात्मक व्याख्या

एड्स मनोवृति प्राप्तांक एवं आय समूह

समूह	संख्या	मध्यमान	प्र.वि.	मध्यमान की प्र. त्रु.	मध्यमान का अंतर	मध्यमान के अंतर की प्र. त्रु.	टी–अनुपात	सार्थकता स्तर
उच्च आय समूह	105	191.12	120.47	1.99	क–ग 1.06	क–ग 2.79	क–ग 0.399	असार्थक
मध्यम आय समूह	112	200.71	15.83	1.49	क–ख 9.59	क–ख 2.48	क–ख 3.86	0.01
निम्न आय समूह	83	192.81	17.49	1.94	ख–ग 8.53	ख–ग 2.45	ख–ग 3.49	0.01

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 03, March 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारणी संख्या–एक में वर्णित तीनों ही आए समूहों के सांख्यिकीय परिणाम के तुलनात्मक व्याख्या के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि उच्च आय समूह के एड्स मनोवृति प्राप्तांको का मध्यमान 191.12, मध्यम आय वर्ग के ऐड्स मनोवृति प्राप्तांको का मध्यमान 200.71 तथा निम्न आय समूह के ऐड्स मनोवृति प्राप्तांको का माध्यमान 192.18 पाया गया है। तीनों ही समूहों के अलग–अलग तुलना से यह स्पष्ट होता है कि उच्च एवं निम्न आय समूह के पुरुष एवं महिलाओं के ऐड्स मनोवृति प्राप्तांको के मध्यमान का अंतर भाग 1.06 पाया गया है। यह अत्यंत ही अल्प एवं नगण्य है। इन दोनों ही समूहों के मध्यमानों का टी–अनुपात मूल्य 0.399 प्राप्त हुआ है जो 186 डी.एफ. के लिए विश्वसनीयता के किसी भी सीमा पर सार्थक प्रमाणित नहीं हो रहा है। इसलिए इन दोनों ही आय वर्गों के महिला एवं पुरुष के एड्स के प्रति मनोवृति निर्धारण में कोई खास अंतर नहीं पाया गया है।

पुरुष एवं महिलाओं के प्रतिदर्श पर उच्च आय समूह एवं मध्यम आय वर्ग समूह के एड्स मनोवृति प्राप्तांकों के मध्यमानों का अंतर 9.59 पाया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मध्यम आय समूह के पुरुष एवं महिलाओं में उच्च आय वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं की अपेक्षा एड्स के प्रति अधिक जागरूकता एवं अनुकूल मनोवृति पाई जाती है। दोनों ही समूहों के मध्यमानों के अंतर की सार्थकता की जाँच टी–अनुपात मूल्य 3.86 के द्वारा होता है, जो 295 डी.एफ. के लिए 0.01 स्तर पर प्रमाणित हो रहा है। अतः यह निर्विवाद रूप से सत्यापित हो रहा है कि उच्च आय वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं की अपेक्षा मध्यम आय वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं में ऐड्स मनोवृति के पक्ष में दृष्टिकोण रखते हैं। साथ ही, इस पर सामाजिक एवं आर्थिक दोनों ही स्थितियों का प्रभाव पड़ता है।

पुरूष एवं महिलाओं के आय समूह में निम्न एवं मध्यम आय समूह की सांख्यिकीय तुलनात्मक अध्ययन का प्रश्न है, यह स्पष्ट हो रहा है कि उच्च एवं मध्यम आय समूहों के जैसा ही निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं के समूहों में मध्यम आय वर्ग में अनुकूल मनोवृति पाई जाती है। मण्यम एवं निम्न आय समूहों में मध्यमानों का अंतर 8.53 पाया गया है तथा इन दोनों ही समूहों का टी–अनुपात 3.49 पाया गया है जो 193 डी.एफ. के लिए 0.01 स्तर पर सार्थक प्रमाणित हो रहा है।

आय के आधार पर पुरुष एवं महिलाओं के तीन आय समूह निर्धारित किए गए। उनका अलग–अलग एड्स मनोवृति प्राप्तांकों के मध्यमानों के अंतरों की सार्थकता एवं प्राप्तांकों की अंतःक्रिया को जाँचने के लिए प्रसरण विश्लेषण विधि के द्वारा निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुआ।

सारणी संख्या–दो

प्रसरण के श्रोत	डी.एफ.	वर्गों का योग	प्रसरण	एफ. अनुपात	सार्थकता स्तर
विभिन्न समूहों के बीच प्रसरण	2	186.05	93.53	3.814	0.05
समूहों के अंदर का प्रसरण	197	104558.87	353.05		

ऊपर वर्णित तीनों ही समूहों के पुरुष एवं महिलाओं के ऐड्स मनोवृति के संबंध में प्राप्त निष्कर्ष इस प्रकार हैः–

क. प्रक्कल्पना किया गया था कि उच्च वर्ग के पुरूष एवं महिलाओं में निम्न वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं की अपेक्षा अनुकूल ऐड्स मनोवृति पाई जाएगी, जो सत्यापित नहीं हो पा रही है।

ख. यह प्रमाणित हुआ कि मध्यम आय वर्ग के पुरूष एवं महिलाओं में उच्च वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं की अपेक्षा एड्स के प्रति अधिक जागरूकता एवं अनुकूल मनोवृति पाई जाती है।

ग. यह भी प्रमाणित हुआ कि मध्यम आय वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं में निम्न वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं की अपेक्षा ऐड्स मनोवृति के प्रति अधिक अनुकूलता पाई जाती है।

घ. एड्स के संदर्भ में मध्यम आय वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं में उच्च एवं निम्न वर्ग की अपेक्षा अनुकूल मनोवृति सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर पाई जाती है।

निष्कर्ष स्वरूप देखा गया की आर्थिक स्थिति का भी प्रभाव ऐड्स मनोवृत्ति को निर्धारित करने में पाया जाता है। प्राप्त निष्कर्ष इसे पूर्ण रूप से पुष्टि करता है।

References

1. Anderson, Jr. (2001). A Guide to the Clinical Care of Women with HIV. US Department of Health and Human Services, Health Resources and Services Administration: Rock Ville, MD.
2. Bhana, N. et. Al. (2002). Zidovucline: A Review of its use in the management of vertically acquired HIV Infection Paediatric Drugs, 4(8), p. 515-553.
3. Bulterys Metal (2002). Role of Traditional Birth Attendants in Preventing Prenatal Transmission of HIV, BMJ, 324:222-225.
4. Dr Joop Lange (1999). AIDS Specialist, the Glowel and Male, 4 May, 1999.
5. Dr Piter Dusberg (1995). Do You Think. HIV College, AIDS, 1995.
6. Dr Max Essex (1994). Journal of Infections Designs, Volume 169, 1994.
7. Hankins, C. (2002). Preventing Mother to Child Transmission of HIV in Developing Countries, Recent Developments and Ethical Considerations Report, Health Matters, 8(15):87-92.
8. Garrett, H.E. (1962). Statistics in Psychology and Education. Indian Edition. Allied Pacific Private Limited Bombay.
9. Halt, P.K. (1940). Social Attitude and Anti-sentimentalism, unpublished Master's thesis, University of Washington.